



भारत का वाचपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

ભાગ II—ખણ્ડ 3—ઉપ-ખણ્ડ (ii)

Section 3—Sub-s

प्राधिकार से प्रकाशित

— 2 —

અનુભૂતિ સંપાદકી ફિલેડ 35, 1970/એફેઝ 3, 1971

No. 3881

NEW DELHI TUESDAY SEPTEMBER 25 1979/ASVIN 3 1901

इस भाग में भिन्न पहल संख्या श्री जाती है जिससे ऐसा आग संकरण के रूप में देखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उत्तराखण्ड

प्राचीन विज्ञान विद्यालय

四

ਜੰਗ ਵਿਲਾਸੀ 25 ਸਿਤਾਮਾਰ 1974

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उत्तर आदेश की प्रवधि 7 भित्तिवर, 1980 तक की प्रवधि के लिए और बहु वी जानी प्रवधि

अतः अब, केन्द्रीय गरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के भाव पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्त आदेश की अधिक 7 भिन्नमंजरि, 1980 तक के लिए, जिसके मत्तूर्वता सब तारीख भी है, और तारीखी है।

[एक संख्या (२१) / ७५-सी एवं सी]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi the 25th September 1929

(क) उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची में पिनिविट अधिनियमितियां, सैमर्स भेन रेले निमिटेड, कलंकना के नाम से ज्ञात औद्योगिकउपकरण को द्वारा तर्जी दोगी : मोर

(ख) उक्त ग्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख के ठीक पूर्वे प्रदृश गभी संविदाश्रो, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतांकों का (जिनमें उक्त उपकरण एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्वे उसके अधीन प्रोटोकॉल या उद्भूत होने वाले सभी अधिकारों, विणेयाधिकार, आधिकाराएं और वायित्वों का प्रबल्लन 26 जिनवरी, 1976 तक निम्नित रहेगा :

श्रोत उक्त आवेदन की प्रवधि 26 मिस्रवर, 1979 तक के लिए और बढ़ा दी गई थी :

S.O. 544(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 545(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—

(a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial under-

takings known as Messrs. Son Raleigh Limited, Calcutta; and

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC]

प्रादेश

प्रा० आ० 545 (प्र) / 18 च] प्र० / ३० विं प्र० अ० / 79 : केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूति संसालय (प्रौद्योगिक विकास विभाग) के आवेदन सं० का० आ० 546 (प्र) / १८ ज अ० / ३० विं प्र० अ० / 75, नारीबा० 27 मित्रबर, 1975 (जिसे इसमें आगे उक्त आवेदन कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घाता 18 च व्ह की उपधारा (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करसे हुए, धोपणा की थी कि :-

(क) उक्त प्रधिनियम की सूचीय अनुसूची में विनिविष्ट अधिनियमियां, भैसर्स एन्जिलरी हॉटस्ट्रीज (लग्ज) प्राइवेट विमिटेड, क्लफना के नाम से भारत औद्योगिक उपकरण को लागू नहीं होंगी; और

(क्र) उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के टीक पूर्व
प्रवृत्त सभी संविधानों, सम्पत्ति के हस्तांशग्रन्थों, कगारों,
ब्यवस्थापनों, पंचांगों, स्थायी आदेशों या अन्य लिङ्गतों का
(जिनमें उक्त उपकरण एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो
सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत
या उद्भूत होने वाले गमी अधिकारों, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ
और वायितों का प्रबन्धन 76 सितम्बर, 1976 तक तिलमित
रहेगा; और उक्त आदेश की अवधि 26 सितम्बर, 1979
तक के लिए और बढ़ा दी गई थी;

आंतर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उनके प्राइंटेशन की प्रवधि 7 सितम्बर, 1980 तक की प्रवधि के लिए और अब वो जानी चाहिए;

प्रसः प्रब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधि-
नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च छ की उपधारा
(2) के साथ ५ठिन उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त जक्कियों का प्रयोग करते
हुए, उक्त श्रावण की अवधि ७ सितम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके
अलगाव यह तारीख भी है, और बड़ाती है।

ORDFR

S.O. 545(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 546(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—

(a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Lugs) Private Limited, Calcutta; and

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC]

ग्रावेश

का० आ० 545 (अ) /18 च ख/उ० वि० श्र०/79 :— केन्द्रीय राजनीति ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (प्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 547 (अ) / 18 च ख/३० वि० श्र०/75, नारीख 27 मित्रम्बर, 1975 (जिसे इसमें आगे उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तीयों का प्रयोग करते हुए, घोषणा की थी कि —

(क) उक्त अधिनियम की तृतीय प्रत्युषको में विनिर्दिष्ट अधिनियमियां, मैसर्स सेन एण्ड पर्सन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, कलकता के नाम से जात औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होगी : रुद्धगा श्रोत

(ख) उक्त ग्रामेश के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचांगों, स्थायी ग्रामेशों या अन्य लिखतों का जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व उसके प्रधीन प्रावृत्त या उद्भूत होने वाले सभी अधिकारों, विशेषाधिकार, आघ्यातारं प्रौढ़ दायित्वों का प्रबल्लन 26 सितम्बर 1976 तक तिलमित देंगा :

और उक्त आदेश की अवधि 26 सितम्बर, 1979 तक के लिए और बढ़ा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 7 सितम्बर, 1980 तक की प्रवाधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः आब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के माध्य पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भास्कियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 7 सितम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके प्रनाली यह तारीख भी है, और बढ़ाती है।

[का० सं० 2(21)/75-सी०य०सी०]

ORDER

S.O. 546(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 547(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—

- (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Sen and Pandit Industries Limited, Calcutta ; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976 ;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC]

आदेश

का० आ० 547 (प्र)/18 च ख/उ० वि० वि० अ०/79.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ण मंत्रालय (शोषणात्मिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 548 (प्र)/18 च ख/उ० वि० वि० अ०/75, तारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमें आगे उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त भास्कियों का प्रयोग करते हुए, शोषणा की थी।

(ब) उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के दोपहर पूर्व प्रवृत्त गांधी मंत्रियों, गम्भीर के हम्नांतरण-पत्रों, वारारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य निवालों का, (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोटोकूल या उद्भूत होने वाले गांधी प्रधिकार, विनियमिकार, वायव्यताएं और दायित्वों का प्रवर्तन 26 सितम्बर 1976 तक निर्विवाह रहेगा :

और उक्त आदेश का अवधि 26 सितम्बर, 1979 तक के लिए और बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 7 सितम्बर, 1980 तक की अवधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः आब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के लाय पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भास्कियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 7 सितम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके प्रनाली यह तारीख भी है, और बढ़ाती है।

[का० सं० 2/21/75-सी०य०सी०]

ORDER

S.O. 547(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 548(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—

- (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta ; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976 ;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 26th September, 1979 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1980 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1980.

(शैक्षणिक विकास विभाग) के आदेश सं. का० आ० 549 (म)/18
च ख/उ० वि० वि० प्र०/75 नारीख 27 मितम्बर, 1975 (जिसे
इसमें आगे उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनि-
यमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की
उपधारा (1) द्वारा प्रत्येक शक्तियों का प्रयोग करने वाला घोषणा की थी
कि:—

- (क) उक्त अधिनियम की भूत्या अनुसूची में विनिश्चिट् अधिनिय-
मियां, मैरासे प्रतिशिवि इण्डस्ट्रीज (क्रैक्स) प्राइवेट लिमिटेड,
फ्लक्टा के नाम से जाप शैक्षणिक उत्क्रम को लागू नहीं
होगी ; और
- (ख) उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के दीप पूर्व
प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों,
व्यवस्थापनों, पंचाटों, न्यायी आवेदनों या अन्य लिखनों का,
(जिसमें उक्त उत्क्रम एक पक्षकार है या जो उसे जागू हो
सकता है) और उक्त नारीख में पूर्व उगके अधीन प्रोद्भूत
या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ
और वायिकों का प्रथमेन 26 मितम्बर, 1976 तक निरन्तरित
रहेगा ;

और उक्त आदेश की अवधि 26 मितम्बर, 1979 तक के लिए
और बढ़ा दी गई थी ;

प्रौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की
अवधि 7 गितम्बर, 1980 तक की अवधि के लिए और बढ़ा दी जानी
चाहिए ,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधि-
नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा
(2) के साथ पठित उपधारा (1) वाला प्रत्येक शक्तियों का प्रयोग करने
हुए, उक्त आदेश की अवधि 7 गितम्बर, 1980 तक के लिए, जिसके
अन्तर्गत यह नारीख भी है, प्रौर बढ़ाती है ।

[का० सं. 2/21/75-सी००४०सी०]

वी० राय, संयुक्त मन्त्री

ORDER

S.O. 548(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of
the Government of India in the late Ministry of Industry
and Civil Supplies (Department of Industrial Development)
No. S.O. 549(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September,
1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central
Government, in exercise of the powers conferred by sub-
section (1) of section 18FB of the Industries (Development
and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—

- (a) the enactments specified in the Third Schedule to
the said Act shall not apply to the industrial under-
takings known as Messrs Ancillary Industries (Crank)s
Private Limited, Calcutta ; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property,
agreements, settlements, awards, standing orders or
other instruments in force (to which the said indus-
trial undertaking is a party or which may be appli-
cable to it) immediately before the date of publi-
cation of the said Order in the Official Gazette,
and all the rights, privileges, obligations and liabili-
ties accruing or arising thereunder before the said
date, shall remain suspended upto the 26th Septem-
ber, 1976 ;

And whereas the duration of the said Order was further
extended upto the 26th September, 1979 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the
duration of the said Order should be extended for a further
period upto the 7th September, 1980 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by
sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of
the Industries (Development and Regulation) Act, 1951
(65 of 1951), the Central Government hereby extends the
duration of the said Order upto and inclusive of the 7th Sep-
tember, 1980.

[File No. 2/21/75-CUC]

B. ROY, Jt. Secy.